



राष्ट्र गौरव कलाम

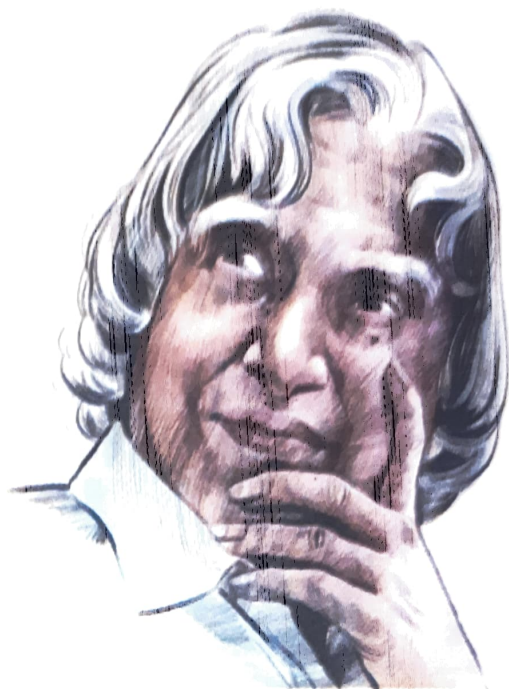
‘मिसाइल मैन’ के नाम से विख्यात डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम (अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम) का जन्म 15 अक्टूबर, 1931 को तमिलनाडु राज्य के रामेश्वरम् कस्बे के समीप धनुषकोटि गाँव में हुआ था। इनके पिता जैनुल आब्दीन और माँ का नाम आशियम्मा था। बालक कलाम ने अपने माता-पिता से अनुशासन, ईमानदारी, उदारता एवं ईश्वर में असीम श्रद्धाभाव रखना सीखा।

अब्दुल कलाम की आरंभिक शिक्षा रामेश्वरम् के प्राइमरी स्कूल में हुई। वर्ष 1950 में विज्ञान में स्नातक करने के बाद वर्ष 1957 में मद्रास इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी से एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया। वर्ष 1958 में अपने वैज्ञानिक कैरियर के आरंभ में ही कलाम ने भारतीय फौज के लिए एक छोटा हेलीकाप्टर डिजाइन किया। 1962 में अब्दुल कलाम रक्षा अनुसंधान को छोड़ भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान में कार्य करने लगे।

अब्दुल कलाम के नेतृत्व में 1980 में रोहिणी नाम के उपग्रह को सफलतापूर्वक पृथ्वी के निकट स्थापित कर दिया गया। इस महत्वपूर्ण योगदान के लिए 1981 में भारत सरकार द्वारा उन्हें पद्मभूषण से सम्मानित किया गया।

1982 में डॉ. कलाम भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के निदेशक बनाए गए। इस दौरान अग्नि, पृथ्वी व आकाश जैसी मिसाइलों के प्रक्षेपण में कलाम ने बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्ष 1992 में अब्दुल कलाम रक्षा मंत्री के विज्ञान सलाहकार तथा सुरक्षा शोध और विकास विभाग के सचिव बने। वर्ष 1997 में अब्दुल कलाम को विज्ञान एवं भारतीय रक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान के लिए भारत के सबसे बड़े सम्मान ‘भारत रत्न’ से सम्मानित किया गया।

वर्ष 1974 में पोखरण में प्रथम परमाणु परीक्षण के कार्यक्रम में कलाम एक दर्शक की तरह मौजूद थे, वहीं पर 2 मई 1998 में द्वितीय परमाणु परीक्षण का ऐतिहासिक कार्यक्रम उनकी देखरेख में संपन्न हुआ। वहीं से ‘जय जवान-जय किसान’ के साथ-साथ ‘जय विज्ञान’ का भी



द हुआ। इस कार्यक्रम की सफलता ने डॉ. कलाम को देश का सबसे बड़ा परमाणु बना दिया। इसके बाद देश-विदेश के कई विश्वविद्यालयों ने इन्हें डॉक्टरेट की विभूषित किया।

ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने 25 जुलाई 2002 को भारत के ग्यारहवें राष्ट्रपति के रूप में पद की शपथ ली। राष्ट्रपति के रूप में वर्ष 2002 से 2007 तक का इनका कार्यकाल लिए बड़ा ही गौरवशाली रहा। 27 जुलाई 2015 को मेघालय के शिलांग में एक कार्यक्रम व्याख्यान देते समय अचानक इनकी तबियत खराब हो गई और 84 वर्ष की आयु में दुनिया को अलविदा कह दिया।

साइल मैन कहे जाने वाले अब्दुल कलाम ने अपने शोध से देश को कई शक्तिशाली दीं। डॉ० कलाम देश को वर्ष 2020 तक परमशक्तिशाली एवं आत्मनिर्भर बनाना चाहते

कलाम राष्ट्रपति पद पर आसीन होते हुए भी बच्चों की जिज्ञासाओं का तुरंत उत्तर लिए तत्पर रहते थे। यहाँ बच्चों द्वारा पूछे गए कुछ सवाल और डॉ. कलाम के उत्तर रहे हैं —

तार्ता : आर. अरविंद, कक्षा : तीन, सेंट मेड्स स्कूल चेन्नई।

क्या हमें आप अपने बचपन की कोई यादगार घटना सुना सकते हैं ?

कलाम : मेरे कक्षा पाँच के शिक्षक श्री शिवसुब्रह्मण्यम् अय्यर की एक बात मुझे याद है। एक दिन कक्षा में वे हमें यह बता रहे थे कि कोई पक्षी कैसे उड़ता है। उन्होंने हमें रामेश्वरम के समुद्र तट पर ले जाकर उड़ते हुए पक्षी दिखाकर इसका जीवंत उदाहरण भी दिया। वह ऐसी यादगार घटना थी, जो मेरे मन-मस्तिष्क में हमेशा के लिए बैठ गई। इसी से मुझे आगे विज्ञान पढ़ने की प्रेरणा मिली।

तार्ता : सरयू मकर, कक्षा : पाँच, वाल्मीकि नगर हिंदी माध्यमिक शाला, नागपुर
बचपन में हमें किस भाषा को प्रमुखता देनी चाहिए ?

कलाम : मैं स्वयं माध्यमिक शिक्षा तक की पढ़ाई अपनी मातृभाषा के माध्यम से पूरी की है। कॉलेज और



उससे आगे की शिक्षा अंग्रेजी माध्यम की संस्थाओं में हुई। मेरा मानना है कि हम कॉलेज में भी माध्यम के रूप में मातृभाषा का चुनाव कर सकते हैं। चूंकि युवा अपनी मातृभाषा में ही सोचता है। उसी में अपनी बात सहजता से कह में सक्षम होता है। पर इसमें कोई दो राय नहीं कि वैश्विक स्तर पर संपर्क लिए हमें अंग्रेजी जैसी एक संपर्क भाषा की नितांत आवश्यकता है।

प्रश्नकर्ता : अर्श पटेल, कक्षा : पाँच, चंदुलाल विद्यामंदिर, मुंबई।

यदि हम आपकी तरह बनना चाहें तो हमें क्या करना चाहिए ?

डॉ. कलाम : जब आप युवावस्था में कदम रखें, तभी आपको जीवन में लक्ष्य निर्धारित करने लेना होगा। हमेशा कुछ बड़ा सोचो। जैसे ही यह अनुभूति हो कि आप आखिरी बनना क्या चाहते हैं, तभी उस दिशा में प्रयास और श्रम प्रारंभ कर दो। जी-तोड़ मेहनत करो। ज्यों-ज्यों आप आगे की ओर बढ़ोगे, आपका सामना बाधाओं तथा कठिनाइयों से होगा। आपको अपने अंदर दृढ़ साहस पैदा करना होगा। समस्याओं को पराजित करने में महारत हासिल करनी होगी, तभी जीवन में सफल हो पाओगे। पहले यह जरूरी है कि आप निरंतर ज्ञान अर्जित करो।

प्रश्नकर्ता : चिराग जैन, कक्षा : सात, बांबे कैंब्रिज, अंधेरी (पश्चिम), मुंबई।

वह कौन-सी बड़ी चुनौती है, जिसका सामना हमें आज करना पड़ रहा है ?

डॉ. कलाम : भारत को सन् 2020 तक एक विकसित राष्ट्र के रूप में परिवर्तित करना और देश के एक अरब से अधिक नागरिकों के चेहरों पर मुस्कान देखना। यही राष्ट्र के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है।

प्रश्नकर्ता : हर्ष चांडक, कक्षा : सात, डॉ. एस. राधाकृष्णन विद्यालय, मलाड, मुम्बई।
आपकी दृष्टि में साहस की परिभाषा क्या है ?

डॉ. कलाम : अपनी जान की परवाह किए बिना दूसरों को संकट या विपत्ति से बचाना ही साहस है।

प्रश्नकर्ता : सत्यम, कक्षा : दस, जिला स्कूल, मुंगेर।

जो भी बच्चे आपसे मिलते हैं, वे कहते हैं कि वे एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक इंजीनियर, डॉक्टर आदि बनना चाहते हैं लेकिन किसान, मजदूर और कलाकार भी किसी राष्ट्र के लिए उतने ही महत्वपूर्ण हैं। हम ऐसे परिवारों से आते हैं। हमारे लिए आपका क्या संदेश है ?

डॉ. कलाम : किसान, मजदूर, कलाकार और दस्तकार—ये सभी हमारे राष्ट्र के अभिन्न अंग हैं। राष्ट्र निर्माण में हमें उन सभी की सेवाओं की समान रूप से आवश्यकता है। आप सभी को चाहिए कि अपने-अपने क्षेत्रों में, खूब उन्नति करें।

कर्ता : एस. कार्तिक, कक्षा : 12, अमर ज्योति इंग्लिश स्कूल, बंगलूरु।
कई छात्रों के बड़े-बड़े लक्ष्य होते हैं पर आर्थिक तथा अन्य समस्याओं के कारण वे इन्हें प्राप्त नहीं कर पाते। वे अपना लक्ष्य आखिर कैसे प्राप्त करें ?

कलाम : स्कूल में पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करने पर छात्रवृत्ति प्राप्त होगी। साथ ही उच्च शिक्षा के लिए बैंकों से ऋण लेने हेतु पात्रता भी बनेगी। जीवन में ऊँचा लक्ष्य निर्धारित करने पर बाधाएँ तो आती ही हैं। हमें कठोर परिश्रम और उत्कृष्ट कार्यों से इन्हें पराजित करना होगा। विघ्न-बाधाओं से व्यक्ति को पराजित नहीं होना चाहिए।



अभ्यास



कथार्थ

सक्षम	= समर्थ	पराजित करना	= हराना
वैश्विक स्तर	= विश्व स्तर पर	महारत	= कुशलता
अवस्था	= उम्र	निरंतर	= लगातार
लक्ष्य	= उद्देश्य	अर्जित	= हासिल
शोध	= खोज	आपदा	= विपत्ति

बोध प्रश्न : उत्तर लिखिए -

- डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जन्म कब और कहाँ हुआ ?
- डॉ. कलाम ने किन-किन पदों पर कार्य किया ?
- 'जय विज्ञान' का नारा कब बुलंद हुआ ?

सोच-विचार : बताइए -

- कलाम की तरह बनने के लिए हमें क्या करना चाहिए ?
- राष्ट्र के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती क्या है ?
- कलाम जी ने साहस की क्या परिभाषा बताई है ?
- राष्ट्र निर्माण में योगदान हेतु कलाम जी ने क्या संदेश दिए ?

तुम्हारी कलम से -

आप बड़े होकर क्या बनेंगे, इस बारे में आपका भी कोई सपना होगा। लिखिए -

- आप बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं ?
- आपने यह बनना ही क्यों चुना है ?
- आप इस सपने को पूरा करने के लिए क्या-क्या करेंगे ?



4. भाषा के रंग

नीचे लिखे शब्दों में 'इक' प्रत्यय लगाकर शब्द बनाइए -

जैसे वर्ष + इक = वार्षिक

संस्कृति + इक = धर्म + इक =

अर्थ + इक = साहित्य + इक =

मंगल + इक = समाज + इक =

5. अब करने की बारी -

(क) कलाम जी के बारे में एक बात और - उनके शिक्षक ने जीवंत उदाहरण से उनके अंदर विज्ञान विषय के प्रति रुचि उत्पन्न कर दी थी। क्या आपके भी किसी अध्यापक ने आपको इस प्रकार की प्रेरणा दी है? अपना अनुभव साझा कीजिए।

(ख) तुम्हारे आस-पास ऐसे बहुत से सफल व्यक्ति होंगे जिनसे तुम प्रभावित होगे या जिन्हें तुम बहुत पसंद करते होगे। उनके व्यक्तित्व, क्रियाकलाप, सफलताओं के बारे में जानने हेतु आप अपने शिक्षक की मदद से कुछ प्रश्न बनाइए। इन प्रश्नों के माध्यम से उनका साक्षात्कार लीजिए।

(ग) अब्दुल कलाम के विषय में अपने शिक्षकों तथा पुस्तकालय के माध्यम से और भी जानकारी एकत्र कीजिए।

(घ) अपनी कुछ खट्टी-मीठी यादें अपने कक्षा के साथियों से साझा कीजिए -

- विद्यालय में पहला दिन
- मेले की मौज
- दीपावली की शाम
- साफ-सुथरे स्कूल की खुशी
- होली का हुड़दंग
- दावत

6. मेरे दो प्रश्न : पाठ के आधार पर दो सवाल बनाइए -

1.

2.

7. इस पाठ से -

(क) मैंने सीखा -

(ख) मैं करूँगी/करूँगा -

यह भी जानिए -

किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के जीवन एवं कार्यों के बारे में जानने के लिए हम उसका साक्षात्कार या इंटरव्यू लेते हैं। अखबार, पत्र-पत्रिकाओं, रेडियो व दूरदर्शन आदि में इनका प्रकाशन/प्रसारण होता है। साक्षात्कार के समय हम अपने प्रश्न उस व्यक्ति से पूछते हैं, जिनका वह उत्तर देता है। इन उत्तरों को लिख अथवा रिकार्ड कर लिया जाता है। उत्तरों को लिखते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है कि विचारों की भाषा यथासंभव वही हो जो उस व्यक्ति ने प्रयोग की है।

